आरती क्षेत्रपाल बाबा की

करूँ आरती क्षेत्रपाल की, जिन पद सेवक रक्षपाल की।। टेक।।

विजयवीर अरु मणिभद्र की, अपराजित भैरव आदि की।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल की.....

सिरपर मणिमय मुकुट विराजे, कर में आयुध त्रिशुल धुराजे।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल की.....

कूकर वाहन शोभा भारी, भूत-प्रेत दुष्टन भयकारी।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल की.....

लंकेश्वर से ध्यान जो कीना, अंगद आदि उपद्रव कीना।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल की.....

जभी आपने रक्षा कीनी, उपद्रव टारि शान्तमय कीनी।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल की.....

जिन भक्त की रक्षा करते, दुःख दरिद्र सभी भय हरते।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल की.....

पुत्रादि वांछा पूरी करते, इसीलिए हम आरती करते।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल की.....